बैतूल जिले में एक दिन में बने 133 बोरी बंधान

बैतूल जिले में अल्प वर्षा के मद्देनजर पानी सहेजने के उपाय तत्काल किए जाने की आवश्यकता को देखते हुए जिले के प्रत्येक ग्रामों में नदी, नालों को चिन्हित कर बोरी बंधान किया जाने की आवश्यकता थी, जिससे आने वाले समय में पेयजल एवं निस्तार हेतु जल की उपलब्धता बनी रहे।

ग्राम एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन की भागीदारी से जल संरक्षण एवं सवंर्धन के उपाय करने किये जाने थे। जिस हेतु स्थान चयन कर जिले में वृहद स्तर पर बोरी बंधान का कार्य किया किया है। कलेक्टर द्वारा जन अभियान परिषद् को मुख्य भूमिका मे रखकर सीएमसीएलडीपी छात्र/छात्राओं एवं प्रस्फुटन समिति को बोरी बंधान की जिम्मेदारी सौपी है। अभियान में सीएमसीएलडीपी छात्र/छात्राओं एवं प्रस्फुटन समितियों ने बड़चढ़कर भाग लिया। म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा एक दिवस में कुल 133 बोरी बंधान बनाये गए।

विकासखण्डवार बनाये गए बोरी बंधान की जानकारी

क्र.	विकासखण्ड का नाम	बनाये गए बोरी बंधान की संख्या
1	आमला	15
2	आठनेर	17
3	बैतूल	19
4	भैंसदेही	8
5	भीमपुर	18
6	चिचोली	12
7	घोड़डोंगरी	16
8	मुलताई	15
9	प्रभात पट्टन	5
10	शाहपुर	8
	योग	**133**

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्रों द्वारा समाज में स्वैच्छिकता व सामूहिकता के भाव से कार्य करने की प्रेरणा जाग्रत करने के प्रयास के अन्तर्गत छात्रों द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से बालाघाट जिले के विकासखंड बैहर में स्वच्छता ,जल संरक्षण, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो प्रयास किए जा रहे हैं वे सराहनीय हैं। इसी कड़ी में विकासखंड बैहर के ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति धीरी के छात्र एवं प्रस्फुटन समिति के प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करते हुए 9000 पौधों की नर्सरी तैयार कर समिति ने स्वयं के ग्राम में 300 पौधे रोपित किए।

साथ ही 8500 पौधे विक्रय कर के लाभ भी कमाया। इस कार्य हेतु समिति को कही से किसी भी प्रकार का अनुदान प्राप्त नही हुआ। सदस्यों द्वारा आपस में ही धन संग्रह कर बीज, फेंसिंग आदि की व्यवस्था की गई है।